वृक्षारोपण

सीताराम अहिरवार

धरा गर्भ में छिपा जो पानी, वृक्षों की वह मेहरबानी।
रिम-झिम वर्षा पेड़ कराते, जीवन में है खुशियां लाते।
वृक्ष काटें तो करें विरोधा, नष्ट न हो एक भी पौधा।

तब ही सुखी रहेंगे प्यारे, वृक्ष लगें जब द्वारे-द्वारे।
जन-जन ये कर्तव्य निभाये, हर बस्ती में बाग लगाये।
जीवन देखे सुख का सपना, हरा-भरा ही भारत अपना।
पेड़ ही देते जिन्दगी कल की, वृक्षों से शोभा जंगल की।
वृक्ष करें न किसी की हानि, जन-जन को देते जिन्दगानी।
सड़क किनारे पेड़ लगाओ, छाया फल और ईंधन पाओ।

पेड़ लगाये पर्व मनायें, सीचें पेड़ पर जल धारायें।
मानव जैसे वृक्ष है पानी, समय पर दें खाद और पानी।
शाला नगर और ताल किनारे, पेड़ लगायें प्यारे-प्यारे।
ईंधन, दवा, हवा, फल सेवा, देखें वृक्ष करें जन सेवा।
पुष्प खिलाओ डाली-डाली, हरियाली देती खुशहाली।
वृक्ष सा सखा नहीं कोई दूजा, करें वृक्ष की सेवा पूजा।

तोता, मैना, कोकिल कागा, वृक्षों से राखे अनुरागा।
वृक्ष की सेवा करें करायें, एक कटे तो दस लगायें।
अपने खेत की फसल बचायें, झाड़ी की बागड़ लगायें।
वृक्ष की महिमा जग ने जानी, वृक्ष न हो तो गिरे न पानी।

पर्यावरण को शुद्ध बनाये, खेत की मेढ़ पर पेड़ लगायें।
वर्षा उत्तम खेती उत्तम, वृक्ष लगाये कृषक हरदम।
गंदी हवा है पेड़ का भोजन, बदले में देता ऑक्सीजन।
ऑक्सीजन लेकर हम जीते, हमें पेड़ दे सभी सुभीते।
जीवनदाता पेड़ हमारे, पेड़ बिना जीवन अंधियारे।

पत्थर मारे तो फल देते, बदला हमसे कबहूं न लेते।
अपना जीवन वृक्ष पर निर्भर, वृक्ष कटा तो जीवन दूभर।
लाख गोंद और बीड़ी के पत्ते, वृक्ष से बनते कागज गत्ते।
वन जीवों की जीवन-धारा, पशुओं को देते ये चारा।
कीट करोड़ों वृक्ष पर रहते, छाया दें तरू ताप हैं हरते।

पेड़ बनाये धरा सुहागन, गुल्म लता फल-फल हैं भूषण।
पेड़ पर पंछी करें बसेरा, चह-चह कलख करें घनेरा।
करें वृक्ष को कभी न आहत, घाम ताप में देते राहत।
पहुंचाये संदेश ये घर-घर, वृक्ष की सेवा करें निरन्तर।
सरिता नाला गिरता झरना, जंगल पर्वत प्रभु की रचना।

सब मर्जों की पेड़ दवा दे, जीने को यह मुफ्त हवा दे।
बिना आभूषण सजे न नारी, पेड़ों ने धरती श्रृंगारी।
पिता करे ज्यों पुत्र का पोषण, आओ करें सब वृक्षारोपण।
करें कामना सब मंगल, जय हो जग के जंगल की।
सीखें अपना फर्ज निभाना, हर जन को है पेड़ लगाना।

संपर्क सूत्र :
श्री सीताराम अहिरवार (प्रधानाध्यापक), रविदास कालोनी, वार्ड नं. 4, गंज बासौदा, जिला विदिशा (म.प्र.)